हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 12 अंक 22 कांगड़ा। शनिवार, 01 अगस्त-07 अगस्त, 2026 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 17 श्रावण, विक्रमी संवत् 2083 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

ये हैं भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिर

-पढ़ें पेज 4

शिक्षा बोर्ड में डिजिटल सुधारों और पारदर्शिता से प्रभावित रजनी पाटिल ने डॉ. राजेश के प्रयासों को सराहा

■ अमित महाजन/धर्मशाला

हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला के मुख्यालय का दौरा किया। इस विशेष शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्होंने बोर्ड की कार्यप्रणाली को करीब से जाना और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अभूतपूर्व सुधारों का जायजा लिया। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और बोर्ड द्वारा छात्र हित में चलाई जा रही नई पहलों की विस्तृत जानकारी दी।

❖ नई शिक्षा नीति और डिजिटल सुधारों पर रहा फोकस

❖ छात्र विकास और शिक्षक क्षमता निर्माण पर गंभीर मंथन

दौरे के दौरान श्रीमती पाटिल ने शिक्षा बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस मौके पर डॉ. राजेश शर्मा ने उन्हें अवगत कराया कि बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप शैक्षणिक और परीक्षा संबंधी कई बड़े सुधार किए जा रहे हैं। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और आधुनिक बनाने के लिए तकनीक-आधारित डिजिटल व्यवस्थाओं को तेजी से लागू किया गया है। इसके अलावा, समग्र मूल्यांकन प्रणाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड द्वारा अपनाए गए नए नवाचारों की भी जानकारी दी गई।

इस मुलाकात में केवल मौजूदा व्यवस्थाओं का ही जायजा नहीं लिया गया, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। दोनों दिग्गजों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्धन, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शिक्षकों की कार्यक्षमता (क्षमता निर्माण) बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा परीक्षा प्रणाली में लाई जा रही पारदर्शिता और छात्र हित में किए जा रहे कार्यों से रजनी पाटिल काफी प्रभावित नजर आईं। उन्होंने इन सुधारात्मक कदमों की खुलकर सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि शिक्षा बोर्ड भविष्य में भी नवाचार और गुणवत्ता आधारित शिक्षा के जरिए विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा।